

| DOMINICAN CONVENT | | ART UNION. | |
|-------------------|--------|------------|--------|
| Prize. | No. | Prize. | No. |
| 129 | 7,068 | 59 | 8,017 |
| 69 | 13,113 | 11 | 7,059 |
| 117 | 2,531 | 158 | 3,569 |
| 132 | 2,454 | 8 | 871 |
| 39 | 10,192 | 24 | 11,447 |
| 159 | 9,993 | 123 | 9,131 |
| 153 | 4,182 | 114 | 10,350 |
| 36 | 12,572 | 152 | 57 |
| 147 | 11,538 | 1 | 12,042 |
| 34 | 6,416 | 169 | 4,034 |
| 43 | 6,421 | 16 | 2,816 |
| 98 | 11,122 | 48 | 262 |
| 13 | 12,739 | 144 | 2,182 |
| 163 | 776 | 78 | 3,968 |
| 85 | 11,522 | 171 | 2,587 |
| 89 | 1,213 | 75 | 11,129 |
| 112 | 2,835 | 125 | 9,510 |
| 65 | 11,594 | 172 | 9,278 |
| 165 | 6,591 | 116 | 13,331 |
| 150 | 7,885 | 74 | 10,085 |
| 12 | 11,226 | 185 | 3,465 |
| — | 6,591 | 100 | 8,097 |
| 90 | 10,105 | 27 | 10,199 |
| 86 | 8,589 | 161 | 4,530 |
| 60 | 7,592 | 103 | 2,063 |
| 45 | 3,453 | 72 | 594 |
| 167 | 589 | 143 | 10,089 |
| 134 | 9,854 | 63 | 1,102 |
| 101 | 2,952 | 139 | 9,270 |
| 66 | 6,034 | 96 | 10,137 |
| 31 | 3,161 | 146 | 7,775 |
| 91 | 7,081 | 20 | 11,322 |
| 142 | 12,088 | 4 | 6,420 |
| 122 | 12,181 | 55 | 12,028 |
| 164 | 10,135 | 5 | 675 |
| 149 | 12,041 | 47 | 11,411 |
| 113 | 2,017 | 81 | 5,128 |
| 111 | 10,528 | 9 | 1,805 |
| 170 | 11,539 | 151 | 1,691 |
| 64 | 13,212 | 155 | 9,143 |
| 50 | 12,935 | 88 | 59 |
| 23 | 35 | 137 | 796 |
| 136 | 4,859 | 128 | 8,185 |
| 127 | 3,227 | 157 | 10,871 |
| 51 | 11,128 | 19 | 7,736 |
| 84 | 11,568 | 7 | 8,226 |
| 133 | 3,240 | 61 | 10,575 |
| 56 | 7,058 | 2 | 1,428 |
| 145 | 11,192 | 110 | 3,362 |
| 71 | 3,237 | 22 | 1,163 |
| 44 | 1,039 | 80 | 3,428 |
| 25 | 12,362 | 52 | 11,185 |
| 128 | 542 | 124 | 12,766 |
| 95 | 2,782 | 106 | 11,734 |
| 141 | 3,409 | 138 | 13,284 |
| 166 | 2,848 | 168 | 12,881 |
| 33 | 235 | 53 | 12,087 |
| 32 | 12,770 | 30 | 3,455 |
| 102 | 8,586 | 40 | 11,104 |
| 21 | 9,839 | 148 | 4,271 |
| 99 | 10,250 | 70 | 4,541 |
| 73 | 12,222 | 58 | 12,200 |
| 92 | 2,786 | 15 | 1,151 |
| 107 | 1,635 | 41 | 3,572 |
| 62 | 8,995 | 144 | 13,115 |
| 120 | 4,847 | 740 | 771 |
| 17 | 9,694 | 104 | 11,499 |
| 14 | 9,700 | 54 | 11,182 |
| 119 | 9,194 | 3 | 2,927 |
| 83 | 1,878 | 76 | 13,158 |
| 68 | 5,332 | 6 | 34 |
| 26 | 12,792 | 28 | 630 |
| 10 | 10,497 | 130 | 12,743 |
| 156 | 3,611 | 131 | 1,504 |
| 115 | 2,068 | 77 | 7,871 |
| 29 | 11,443 | 94 | 2,089 |
| 18 | 10,664 | 162 | 11,645 |
| 46 | 2,185 | 87 | 9,529 |
| 49 | 8,032 | 57 | 12,182 |
| 67 | 1,773 | 38 | 3,215 |
| 109 | 4,187 | 35 | 4,794 |
| 37 | 5,249 | 42 | 8,180 |
| 160 | 2,099 | 121 | 490 |
| 79 | 2,513 | 105 | 12,971 |
| 108 | 12,802 | 93 | 1,732 |
| 97 | 2,016 | | |
| 153 | 23 | SPECIAL. | 163 |
| 154 | 6 | | 156 |
| 144 | 9 | | 143 |
| 145 | 1 | | 158 |
| 167 | 22 | | 168 |
| 151 | 15 | | 169 |
| 159 | 10 | | 164 |
| 152 | 24 | | 166 |
| 150 | 18 | | 146 |
| 165 | 5 | | 170 |
| 161 | 8 | | 171 |
| 162 | 3 | | 148 |
| 147 | 11 | | 160 |
| 157 | 4 | | 149 |
| 155 | 2 | | 172 |

PARNELL DEFENCE FUND.

NORTH LOBURN COLLECTION.

| | £ | s. | d. | | £ | s. | d. |
|---------------------|---|----|----|---------------------|---|----|----|
| Mr. John O'Halloran | 1 | 0 | 0 | Mr. Dennis Bradley | 1 | 0 | 0 |
| „ Hugh Cobrey | 1 | 0 | 0 | „ Cornelius McBaron | 0 | 10 | 0 |
| „ John Joyce | 1 | 0 | 0 | „ Edward Barry | 0 | 10 | 0 |
| „ Andrew Larkin | 0 | 10 | 0 | | | | |

JUST RECEIVED, "YOUNG IRELAND," by Sir Charles Gavin Duffy. Price, 12s 6d; by post, 14s. Also, "MONTH OF MARY OF OUR LADY OF LOURDES," by Henry Lasserre. Price, 3s; by post, 3s 6d.
 Sancta Maria Immaculata ora pro populo.
"THE PICTORIAL BIBLE AND CHURCH HISTORY STORIES," Abridged by the Rev. Henry Formby.

J. A. MACEDO,
 CATHOLIC BOOKSELLER,
 Princes Street, Dunedin.

SUBSCRIPTIONS TO TABLET FOR WEEK ENDING FEBRUARY 3, 1881.

Messrs E. Guiney, Halket Town, 20s; Brazil, Moa Flat, 12s 6d; McDevitt, Blackstone Hill, 25s; P. S. Garvey, Lyttelton, 25s; John Joyce, Lawrence, 25s; O'Connell, Lyttelton, 25s; Rev. Father Devoy, Kumara, 25s; C. McDevitt, Taranaki, 20s; Geagan, Christchurch, 3s; Hennessy, Loburn, 20s; J. Kennelly, Greymouth, 12s 6d; Rev. Father Kouyer, 12s 6d; M. McDonnell, 25s; J. McGain, 19s; J. Keating, 19s; Mrs B. O'Loughlin, 31s 6d; W. Breslan, 12s 6d; T. Keenan, 17s 6d; Mrs Sellars, Hokitika, 25s; Rev. Father Kehoe, Riverton, 31s 6d; M. Carey, Tinker's, 25s; F. Sontgen, Westport, 25s; M. McPadden, Westport, 10s; F. Donnelly, 6s 6d; Jas. Coll, Pleasant Point, 20s; Geo. Hailes, Takaka, 25s; John Fitzgerald, Orepuki, 20s; Rev. Father Reigner, Meanees, 25s.

CATHEDRAL FUND.

I BEG to acknowledge the receipt of the following subscriptions towards the Cathedral Fund:—

| | £ | s. | d. |
|-------------------|---|----|--------|
| A Friend | - | - | 1 0 0 |
| Mr. Hugh M'Kavitt | - | - | 10 0 0 |
| A Friend | - | - | 5 0 0 |

WEEKLY SUBSCRIPTIONS.

| | £ | s. | d. | | £ | s. | d. |
|----------------------|---|----|----|--------------------|---|----|----|
| Per Rev. Wm. Newport | 3 | 10 | 6 | „ Mr. M. Connellan | 1 | 3 | 0 |
| „ Mr. D. M'Girr | 2 | 0 | 0 | „ Mr. N. Smith | 0 | 10 | 0 |
| „ Mr. C. M'Alister | 1 | 3 | 6 | „ Mr. D. W. Woods | 2 | 13 | 0 |
| „ Mr. W. Hall | 1 | 10 | 6 | „ Mr. J. Griffin | 1 | 0 | 6 |
| „ Mr. T. B. Conway | 1 | 10 | 6 | „ Mr. J. Brennan | 2 | 4 | 0 |
| „ Mr. J. Daly | 2 | 8 | 0 | „ Mr. J. Dillon | 0 | 15 | 0 |
| „ Mr. J. Murray | 1 | 14 | 0 | „ Mr. R. A. Dunne | 1 | 15 | 0 |
| „ Mr. P. Daniel | 3 | 15 | 0 | | | | |

✠ P. MORAN.

MARRIAGE.

ARTHUR—GOLLAR.—On the 27th January, at St. Joseph's Church, Dunedin, by the Most Rev. Dr. Moran, John, youngest son of John Arthur, of Invercargill, to Mary Anne Josephine, eldest daughter of John Gollar, of Dunedin.

DEATH.

CLIFFORD.—Of your charity pray for the repose of the soul of Mary, wife of George H. Clifford, who died on board s.s. Hydaspes (at sea), on December 29, 1880, aged 23.—R.I.P.

The New Zealand Tablet.

FIAT JUSTITIA.

FRIDAY, FEBRUARY 4, 1881.

VEILED INJUSTICE.

THE civilised world presents at this moment a curious spectacle. Never before was the cry for liberty and justice louder and more universal, and yet, though there has been more brutal tyranny and injustice in days gone by, there never has been more galling tyranny and injustice than at the present moment. Heretofore individuals and individual governments acted the tyrant, and ruthlessly trampled on human and divine rights; but, then, they made no pretence of liberty or of ruling, except in the interest of power and authority. To-day, however, it is the people or popular assemblies that act the tyrant, and utterly